

प्राधिकार से प्रकाशिव

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 32] No. 32]

नई विल्ली, शनिवार, सिनम्बर 5, 1970/भाव 14, 1892

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1970/ BHADRA 14, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### भाग Ⅱ---सच्य 4

## PARTII -Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा खारी किए गए विधिक नियम और झरहेस Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

#### रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली. 19 मई. 1970

सशस्त्र बन मुख्यालय सिविल सेवा संबीक्षक ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियमित) चिनियम, 1970

का० नि० गा० 252 --संशस्त्र बल मुख्यालय सिषिल सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (।) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा श्रायोग के परामर्श से, एतदद्वारा निम्न-लिखित विनियम बनाते हैं, ग्रर्थात :---

- संक्षित्त नाम ग्रीर प्रारम्भ (1) ये विनियम समस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा, भ्रधीक्षक ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा निय्क्ति) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
  - (2) ये शासकीय राजपत्र में भ्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - 2. परिभाषाएं.--(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से श्रन्यथा अपेक्षित न हों --
- (क) ''उपलब्ध रिक्तियों '' से सेवा के ब्राधीक्षक ग्रेड की वे रिक्तियां जिन्हें परीक्षा के परि-णाम पर भरे जान का विनिष्टिय किया जाए, अभिप्रेत हैं;
- (ख) 'परीक्षा' से केन्द्रीय सेवाम्रों, वर्ग 1 भीर 2, में भर्ती के लिए भाषोग द्वारा भाषोजित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा प्रभिन्नेत है; भौर

- (ग) " अनुसूचित जातियों " अंर "अनुसूचित जन जातियों" के वही अर्थ होंगे जो भारत के संविधान के अनुकछेद 366 के खण्ड (24) और खण्ड (25) में कमणः छन्हें दिए गए हैं।
- (2) इन विनियमों में प्रयुक्त और अपरिभाषित अन्य सभी गब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो सगस्त्र बल मुख्यालय सिविल मेना नियम, 1968 में ऋगशः उन्हें दिए गए हैं।
- 3. **परीक्षा श्रःयोजित करता.**——(1) श्रायोग द्वारा परीक्षा ऐसी रीति से जैसी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समय समय पर ग्रक्षिसूचित की जाए, श्रायोजित की जाएगी।
- (2) जिन तारीखों को और जिन स्थानों पर परीक्षा अविशिज्ञ की जानी ही, वे सरकार द्वारा नियत किए जाएंगे।
- 4. पात्र त की जातें -- परीक्षा में बैठने का बाद्ध होने के लिए ग्रम्बर्यों को निस्ति खित शर्तों श्रवश्य पूरी करनी चाहिए ; ग्रथात् :--
  - (i) राष्ट्रिकता—
    - (क) वह भारत का नागरिक ग्रवश्य हो, या
- (ख) वह ऐसे व्यक्ति प्रवर्गी का हो जो भारत सरकार के गृह मंद्रालय द्वारा इस निमित्त समय समय पर ग्रिधसूचित किए जाएं।
- (ii) ग्रायु उसने, जिस वर्ष परीक्षा हुई हो उस वर्ष क ग्रगस्त के प्रथम दिन को 21 वर्ष की ग्रायु ग्रवश्य पूरी कर ली हो ग्रौर 24 वर्ष की ग्रायु पूरी न की हो:

परन्तु ग्रनुसूचित जातियों, ग्रनुसूचित जन जातियों ग्रौर ऐसे ग्रन्थ व्यक्ति प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में, जो सरकार द्वारा इस निमित्त सनय सभय पर श्रधिसूचित किए जाएं उक्वतम ग्रायु सीमा, प्रत्येक प्रवर्ग की बावत श्रधि भूचित सीमा तक ग्रौर शर्तों के ग्रध्यबीत , शिथिल की जा सकेंगी ।

(iii) शैक्षिक ग्रह्ताएं — उसके पास भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के ग्रधिनियम द्वारा निगमित किसो विश्वविद्यालय, या संसद के ग्रधिनियम द्वारा स्थापित, या विश्वविद्यालय ग्रमुदान ग्रायोग ग्रधिनियम, 1956 की धारा 3 के ग्रधीन विश्वविद्यालयों के रूप में समझे जाने के लिए घोषित ग्रन्य शैक्षिक संस्थानों, या सरकार द्वारा समय समय पर श्रमुमोदित विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री श्रवश्य हो या वह ऐसी ग्रहेता श्रवश्य रखता हो जिसे परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजनों के लिए सरकार द्वारा मान्यता दे दी गई हो।

### परन्तु--

- (क) असाधारण स्थितियों में, श्रायोग उस अभ्यर्थी को, जो यद्यपि इस खण्ड में विहित अहुंताएं न रखना हो तथापि जिसने अन्य संस्थाओं द्वारा श्रायोजित ऐसे स्तर की परीक्षाएं पास कर ली हों जिनसे अभ्यर्थी का परीक्षा में प्रवश न्यायोजित ठहरता हो, अहुंताप्राप्त अभ्यर्थी मान सकेगा; और
- (ख) उस ग्रभ्यर्थी को भी जो ग्रन्यथा ग्रहित हो फिन्तु जिसने विदेशी विश्वविद्यालय, जो सरकार द्वारा ग्रनुमोदित नहीं है, से डिग्री ली हो, ग्रायोग के विवेकानुसार परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा।

टिप्पण-- वह श्रभ्यर्थी जो ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पाझ हो जाए किन्सु जिसे परीक्षा के परिणाम की सूचना नहीं दी गई हो, परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन दे सकता है। वह श्रभ्यर्थी भी जो ऐसी श्रहेंक परीक्षा में बैठने का श्राशय रखता है श्रावेदन दे -सकता है परन्तु यह तब जबकि श्रर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारक्ष्म होने से पूर्व समाप्त हो गई हों। श्रगर श्रन्यथा पात हैं तो ऐसे श्रभ्यथियों के परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा, किन्तु प्रवेश श्रनन्तिम समझा जाएगा और रह किया जा सकेगा, यदि वे यथासम्भव शीघ्न, श्रौर किसी भी श्रवस्था में इस परीक्षा के प्रारक्ष्म होने के दो मास पश्चात तक, परीक्षा पास कर चुकने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करते।

(IV) परीक्षा मे प्रयत्न--उस सूरत के सिवाय जिसमें ग्रभ्यर्थी इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर ग्रधिसूचित ग्रपवादों में से किमी के ग्रन्तर्गत ग्राता हो, वह 1 जनवरी, 1961 के पश्चात् हुई प्रतियोगात्मक परीक्षा में एक से ग्रधिक बार न बैठ चुका होना चाहिए।

टिप्पए।— यदि ग्रभ्यथी एक या एक से ग्रधिक सेवाभो या पवों के लिए प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठता है तो उसे सामान्यतया परीक्षा के ग्रन्तर्गत ग्राने वाली सभी सेवाभो या पदो के लिए प्रति-योगात्मक परीक्षा में बैठा हुआ समका जाएगा।

टिप्परा 2--- यदि भ्रभ्यर्थी वस्तुतः किसी एक या एक से श्रधिक विषयों की परीक्षा दे देता है तो उसे प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठा हुन्ना समझा जाएगा ।

- (V) फीस— ऐसी छूटों या रियायतो या दोनों के श्रष्टमधीन जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा इस निमित्त समय समय पर श्रिधसूचित की जाएं श्रभ्यर्थी श्रायोग द्वारा विनिर्धिष्ट फीस संवत्त करेगा।
- 5 मन्याया के निए सं गाचना.—— म्रभ्यथीं की म्रोर से किसी भी ढंग से म्रपनी भ्रभ्यायिता के लिए समर्थन म्रभिन्नाप्त करने का कोई भी प्रयत्न म्रायोग द्वारा ऐसा म्राचरण माना जा सकता है जो उसे परीक्षा में प्रवेश से निर्राहत कर दे।
- 6. पात्रता के बारे में विनिश्चय परीक्षा में प्रवेश के लिए अध्ययीं की पान्नता या अन्यया कि बारे में आयोग का विनिश्चय अन्तिम होगा और किसी भी अध्यर्थी को जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 7. परिणास -- (1) उन अभ्यिथियों के नाम, जो परीक्षा के परिणास स्वरूप आयोग द्वारा नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे जाएं योज्यताक्रम में रखे जाऐगे और विनियम 8 के उपविनियम (5) के उपबन्धों के अध्यिथीन की जाने के लिए अपेक्षित नियुक्तियों की संख्या तक उसी कम में उन्हें नियुक्त किए जाने की सिकारिश की जाएगी।
- (2) प्रत्येक अध्यर्थी को परीक्षा के परिणाम की संसूचना के प्ररूप और रीति का विनिश्चय आयोग द्वारा अभने विवेकानुसार किया जाएगा और परिणामों के सम्बन्ध में आयोग अलग-अलग अध्यर्थी से कोई पत्न-व्यवहार नहीं करेगा।
- 8. नियुक्तियां → (1) परीक्षा में सफलता से सेवा के लिए अधीक्षक ग्रेड में नियक्ति का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा, जब तक कि ऐसी जांच के पश्चात् जैसी आवश्यक समझी जाए सरकार का यह समाधान नहीं हो जाता कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है।
- (2) कोई भी श्रभ्यर्थी जब तक सेवा के श्रधीक्षक ग्रेड में नियुक्त नही किया जाएगा जब तक कि वह, ऐसी चिकित्सीय परीक्षा के पश्चात् जसी सरकार विहित करे, ऐसे मानसिक या शारीरिक दोष से जिससे सेवा के कर्त्तब्यों के निर्वहन में बाधा पड़ने की संभावना हो, मुक्त न पाया जाए:
- (3) वह व्यक्ति, जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित है या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दश<sup>े</sup> में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी

के जीवन काल में होता है, श्रौर वह स्त्री जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, परीक्षा के परिणाम के श्राधार किसी नियुक्ति के पान नहीं होंगे।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी ध्यक्ति को इस उपविनियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष ग्राधार है, ग्रादेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए :

- (4) इस नियम के उपविषम (5) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणाम स्वरूप सेवा के झधीक्षक ग्रेड में नियुन्तियां श्रायोग द्वारा नियुन्ति के लिए सिकारिश किए गए श्रम्यियों के योग्यता-कम में उपलब्ध रिक्तियों की सीमा तक, सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए श्रादेशों के श्रनुसार श्रनुस्चित जातियों श्रीर श्रनुस्चित जन-जातियों के श्रम्यियों के लिए श्रारक्षण के श्रध्यधीन की जाएंगी:
- (5) श्रनुस्चित जातियों या श्रनुस्चित जन-जातियों में से फिसी के भी वे श्रध्यर्थी जिन्हें प्रशासन की कुशलता बनाऐ रखने पर उचित ध्यान देते हुए, ग्रायोग द्वारा परीक्षा के परिणामं। पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनके स्थान पर ध्यान दिए बिना, उनके लिए श्रारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति न किये जाने के पाल होंगे।

किन्तु यदि सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अभ्यथियों के लिए आरक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए पर्याग्त संख्या में अभ्यथि उपलब्ध नहीं है तो न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित अकार से भरी जाएंगी।

- 9. प्रतिक्ष्पण या अन्य भवचार के रिए झास्ति.— जो अभ्यर्थी प्रतिक्ष्पण या गढ़े हुए वस्तावेज या ऐसे दस्तावेज जिन्हें विगाड़ा गया है प्रस्तुत करने, या ऐसे कथन जो गलत या झूठे हों करने, या तात्विक सूचना दबाने या अन्यथा परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन काम में लेने, वा परीक्षा-भवन में नावाजिब साधन प्रयुक्त करने या प्रयुक्त करने का प्रयत्न करने या प्रयुक्त करने वा प्रयुक्त करने वा प्रयक्त करने का प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने का प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने का प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने वा प्रयक्त करने का प्रयक्त करने वा प्रयक्त
  - (क) (1) ग्राप्यथियों के चयन के लिए श्रायोग द्वारा श्रायोजित किसी परीक्षा में प्रवेश पाने या किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से, श्रायोग द्वारा; श्रौर
  - (2) अपने अधीन नियोजन के लिए, सरकार द्वारा ;

स्थायी रूप मे या विनिर्दिष्ट कालाविध के लिए विवर्णित किया जा सकता है:

(ख) यदि वह पहले ही सरकार के श्रधीन सेवा में हो तो समुचित नियमों के श्रधीन वह धनुशासनात्मक कारवाई के दायित्वाधीन हो सकता है:

[फाईल सं० 94455/सीए मो (डीपीसी)]

का० ति० घा० 253.—सशस्त्र अल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968, के नियम 11 के उपनियम (1) के ग्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा ग्रायोग के परामर्श से, एतद्द्वारा निम्म- लिखित विनियम बनाती है, प्रर्थात्:—

 संक्षिण्त नाम ग्रीर झार्ण्य — (1) ये जिल्लामम सम्रस्य बल सुख्यालय सिविल सेवा, सहायक ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति ) विनियम, 1970 कहे जा सकींगे।

- (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. परिभाषाएं.--(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--
- (क) ''उपलब्ध रिक्तियों'' से सेवा के सहायक ग्रेड की वे रिक्तियां जिन्हें परीक्षा के परिगाम के ग्राधार पर भरे जाने का विनिष्चय किया जाए, श्रभिग्रेत है ;
- (ख) "परीक्षा" से सेवा के सहायक ग्रेड श्रौर ऐसी सेवाश्रों, विभागो या कार्यालयों में सहाश्क के पदों जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समय समय पर श्रधिसूचित किए जाएं पर सीधी भर्ती के लिए श्रायोग द्वारा श्रायोजित प्रतियोगिता परीक्षा श्रभिन्नेत है ; श्रौर
- (ग) ''श्रनुसूचित जातियो'' श्रौर ''श्रनुसूचित जन जातियों'' के वही श्रर्थ होंगे जो भारत के संविधान के श्रनुच्छेद 366 के खण्ड (24) श्रौर खण्ड (25) में ऋमशः उन्हें दिए गए है।
- (2) इन विनियमों में प्रयुक्त श्रीर श्रारिभाषित श्रन्य सभी शब्दों श्रीर पदों के वही श्रर्थ होंगे जो सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968, में ऋमशः उन्हें दिए गए हैं।
- 3. परीक्षा आयोजि करना (1) आयोग द्वारा परीक्षा ऐसी रीति से जैसी कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समय समय पर अधिसूचित की जाए आयोजित की जाएगी।
- (2) जिन नारी जों को श्रौर जिन स्थानों पर परीक्षा श्रायोजित की जानी हो, वे सरकार द्वारा नियम किए जाएंगे।
- 4. पत्रतः की शत-- परीक्षा में बैठने का पात होने के लिए श्रभ्यर्थी को निम्नलिखित शर्ते अवश्य पूरी करनी चाहिए, अर्थात :---
  - (i) राष्ट्रिक रा ---
  - (क) वह भारत का नागरिक अवश्य हो, या
- (ख) वह ऐसे व्यक्ति प्रवगः का हो जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा इस निमित्त ममय समय पर श्रिधिसूचित किए जाएं।
- (ii) मायु उसने, जिस वर्ष परीक्षा हुई हो उस वर्ष के जनवरी के प्रथम दिन को 20 वर्ष की आयु अवश्य पूरी कर ली हो और 24 वर्ष की आयु पूरी न की हो :

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और ऐसे अन्य व्यक्ति प्रवर्गों के श्रभ्यथियों की दशा में, जो सरकार द्वारा इस निमित्त समय समा पर अधिसूचित किए जाएं, उच्चतम आयु सीमा अत्येक प्रवर्ग को बाबत अधिसूचित सीमा तक और शर्तों के अध्यक्षीन णिथिल की जा सकेगी।

(iii) शैक्षिक प्रश्निष्ट — उसके पास भारत में, केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के ग्रधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय, या संसद के ग्रधिनियम द्वारा स्थापित, या विश्वविद्यालय अनुदान आय ग श्रधिनियम, 1956 की धारा 3 के श्रधीन विश्वविद्यालयों के रूप में समझे जाने के लिए घोषित अन्य शैक्षिक संस्थानों, या सरकार द्वारा समय समय पर अनुमोदित विद्या विश्वविद्यालय से डिग्री अवश्य हो या वह ऐसी अर्हना अवश्य रखता हो जिसे परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजनों के लिए सरकार द्वारा मान्यता दे दी गई हो :

## परन्तु⊸⊸

(क) असाधारण स्थितियों में, श्रायोग, उस श्रभ्यर्थी को, जो यद्यपि इस खण्ड में विहित अर्हताएं न रखता हो तथापि जिसने अन्य संस्थाश्रों द्वारा श्रायोजित ऐसे स्तर की परीक्षाएं पास कर ली हों जिनमे श्रभ्यर्थी का परीक्षा में प्रवेश न्यायोजित ठहरता हो, श्रहेंताप्राप्त श्रभ्यर्थी मान सकेंगा;

(ख) उस प्रभ्यर्थी को भी जो भ्रन्यथा अहित हो किन्तु जिसने विदेशी विश्वविद्यालय जो सरकार द्वारा श्रनुमोदित नहीं है, से डिग्री ली हो, श्रायोग के विवेकानुसार परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा।

िष्पण—वह अभ्यर्थी जो ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसे पाम करने मे वह इस परीक्षा में बैठने का पान हो जाए किन्सु जिसे परीक्षा के परिणाम की सूचना नहीं दी गई हो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन दे सकता है। वह अभ्यर्थी भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का आशय रखता है आवेदन दे सकता है परन्तु यह तब जबिक अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से पूर्व समाप्त हो गई हो। अगर अन्यर्था पान हैं तो ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा, किन्तु प्रवेश अनितम समझा जाएगा और रह किया जा सकेगा, यदि वे यथासम्भव शीझ और किसी भी अवस्था में इस परीक्षा के आरभ्भ होने के दो माम पश्चीत तक, परीक्षा पाम कर चुकने का प्रमाण प्रस्तुत महीं करते।

(iv) परीक्षा में प्रयत्न — उस सूरत के सिवाय जिसमें ग्रभ्यर्थी इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर ग्राधिसूचित ग्रपवादों में से किसी के ग्रन्तर्गत ग्राता हो, वह 1 अनवरी, 1962 के पश्चात् हुई प्रतियोगात्मक परीक्षा में एक से ग्राधिक बार न बैठ चुका होना चाहिए।

डिज्यण 1— यदि श्रभ्यर्थी एक या एक से श्रधिक सेवाभों या पदों के लिए प्रतियोगात्मक परीक्षा में बठता है तो उसे सामान्यतया परीक्षा के श्रन्तर्गत ग्राने वाली सभी सेवाश्रों या पदों के लिए प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठा हुआ समझा जाएगा।

टिप्पण 2--- यदि प्रभ्यर्थी वस्तुतः किसी एक या एक से ग्रधिक विषयो की परीक्षा दे देता है तो उसे प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठा हुन्ना समझा जाएगा।

- (v) फील ऐसी छूटों या रियायतों या दोनों के प्रध्यधीन जो भारत सरकार के गृह मंद्रालय द्वारा इस निमित्त समय समय पर ग्रिधसूचित की जाएं प्रभ्यर्थी ग्रायोग द्वारा विनिर्दिष्ट फीस संदत्त करेगा।
- 5. ग्रन्थिता के लिये संथाधना.— ग्रन्थ्थी की ओर से किसी भी ढंग से श्रपनी श्रभ्यथिता के लिए समर्थन श्रभिप्राप्त करने का कोई भी प्रयत्न श्रायोग द्वारा ऐसा श्राचरण माना जा सकता है जो उसे परीक्षा में प्रवेश से निर्राहत कर दे।
- 6. **पात्र** ता **के बारे में विनिश्चय .--** परीक्षा में प्रवेश के लिए श्रभ्यर्थी की पावता या श्रन्थथा के बारे में श्रायोग का विनिश्चय श्रन्तिम होगा श्रौर किसी भी श्रभ्यर्थी को जिमे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश का प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में प्रवेश नही दिया जाएगा।
- 7. परिणामः—() उन श्रभ्यांथियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामस्वरूप श्रायोग द्वारा नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे जाएं योग्यताक्रम में रखे जाएंगे श्रीर विनियम 8 के उप-विनियम (5) के उपबन्धों के श्रध्यधीन की जाने के लिए अपेक्षित नियुक्तियों की संख्या तक उसी क्रम में उन्हें नियुक्त किए जाने की सिफारिश की जाएगी।

- (2) प्रत्येक अभ्यर्थी की परीक्षा के परिणाम की संसूचना के प्ररूप और रीति का विनिश्चय आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार किया जाएगा और परिणामों के सम्बन्ध में आयोग अलग अलग अभ्यर्थी से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।
- 8. तियुक्तियां.-- (1) परीक्षा में सफलता में सेवा के महायक ग्रेड में नियुक्ति का कोई भिधिकार प्राप्त नहीं होगा, जब तक कि ऐसी जांच के पश्चात् जैसी आवश्यक समझी जाए सरकार का यह समाधान नहीं हो जाता कि ग्रभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिए मर्बथा उपयुक्त है।
- (2) कोई भी श्रभ्यर्थी तब तक सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह ऐसी चिकित्सीय परीक्षा के पश्चात् जैसी सरकार विहित करे, ऐसे भानसिक या शारीरिक दोष से जिससे सेवा के कर्त्तव्यों के निर्वहन में बाधा पड़ने की सम्भावना हो, मुक्त न पाया जाए ।
- (3) वह व्यक्ति, जिसकी एक से श्रधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है, श्रीर वह स्त्री, जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर किसी नियुक्ति के पाल नहीं होंगे:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस उपविनियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष ग्राधार हैं, ब्रादेश दे सकेंगी कि उसे छूट दी जाए।

- (4) इस विनियम के उपविनियम (5) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणामस्वरूप सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्तियां आयोग द्वारा नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए श्रभ्यिथों के योग्यता-क्रम में उपलब्ध रिक्तियों की सीमा तक, सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गये आदेशों के श्रनुसार अनुसूचित जातियों की श्रम्यियों के लिए ग्रारक्षेण के श्रध्यधीन की जाएंगी।
- (5) श्रनुसूचित जातियों या श्रनुसूचित जन-जातियों में से किसी के भी वे श्रभ्यर्थी जिन्हें श्रशासन की कुणलता बनाए रखने पर उचित ध्यान देते हुए, श्रायोग द्वारा परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनके स्थान पर ध्यान दिए बिना, उनके लिए श्रारक्षित रिक्तियों पर नियक्ति किए जाने के पात होंगे:

किन्तु यदि सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए श्रादेशों के श्रनुसार श्रनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जम-जातियों के श्रभ्यांथयों के लिए श्रारक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए पर्याप्त संख्या में श्रभ्यां उपलब्ध नहीं है तो न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित श्रकार से भरी जाएंगी।

9. प्रतिरुपण या ग्रन्थ ग्रवचार के लिए शास्ति — जो प्रभ्यर्थी प्रतिरूपण या गढ़े हुए दहतावेज या एमे दस्तावेज जिन्हें विगाड़ा गया है प्रस्तुत करने, या ऐसे कथन जो गलत या झुठे हों करने, या तात्विक सूचा दबाने या अन्यथा परीक्षा में प्रवेण पाने के लिए कोई अन्य प्रनियमित या अनुचित साधन काम में लेने, या परीक्षा-भवन में नावाजिब साधन प्रयुक्त करने

या प्रयुक्त करने का प्रयत्न करने या परीक्षा-भवन में कदाचार करने का दोषी है या आयोग द्वारा <mark>दे</mark>घोषित कर दिया गया है, वह श्रापराधिक अभियोजन के दायित्वाधीन होने के श्रतिरिक्त—

- (क) (i) श्रभ्यांथियों के चयन के लिए श्रायोग द्वारा श्रायोजित किसी परीक्षा में प्रवेश पाने या किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से, श्रायोग द्वारा ; श्रौर
  - (ii) श्रपने श्रधीन नियोजन के लिए, सरकार द्वारा ;

स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए विवर्णित किया जा सकता है।

(ख) यदि वह पहले ही सरकार के प्रधीन सेवा में हो तो समुचित्र नियमों के प्रधीन वह अन्यासनात्मक कार्यवाई के दायित्वाधीन हो सकता है।

[फाइल सं० 94455/सी ए भ्रो (डी पी सी )]

# सज्ञास्त्र व र मु.याजय त्राज्ञुलिपिङ सेवा (पश्चिमीनता परीक्षावृत्रारा नियुक्ति) विभियम, 1970

का० नि० था० 254 — नगस्त्र बल मुख्यालय श्राणुलिपिक सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा श्रायोग के परामर्श से, एतव्-द्वारा निम्मलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारक्ष्मः—(1) ये विनित्य संग्रेस्त्र वल मुख्यालय श्राशुलिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्त ) विनियम, 190 कहे जा सकेंग।
  - (2) ये शासकीय राजपन्न में अपने प्रकाशन की तारीख की प्रवृत होंगे।
    - 2: परिभाषाएं.--(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों--
- (क) ''उपलब्ध रिक्तियों'' से सेवा के ग्रेड 2 की वे रिक्तियां जिन्हें परीक्षा के परिणाम पर भरे जाने का विनिश्चय किया जाए, श्रिभिन्नेत हैं ;
- (ख) "परीक्षा" से सेवा के ग्रेड II श्रीर ऐसी सेवाश्रों, विभागों या कार्यालयों में श्राशुलिपिकों के पदों, जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समय समय पर श्रिधसूचित किए जाएं, पर भर्ती के लिए श्रायोग द्वारा श्रायोणित प्रतियोगिता परीक्षा श्राभिन्नेत है ; श्रीर
- (ग) "भ्रतुसूचित जातियों" और "अनुसूचित जम जातियों" के वही अर्थ होंगे जो भारत के संविधान के श्रतुच्छेद 366 के खण्ड (24) और (25) में कमशः उन्हें दिए गए हैं।
- (2) इन विनियमों में प्रयुक्त और अपरिभाषित श्रन्य सभी शब्दों श्रौर पदों के वही श्रर्थ होंगे जो सशस्त्र बल मुख्यालय श्राशुलिपिक सेवा नियम, 1968 में कमशः उन्हें दिए गए हैं।
- 3. परीक्षा श्रायोजित करना.---(1) श्रायोग द्वारा परीक्षा ऐसी रीति से जैसी कि भारत सरकार के गृह मंद्रालय द्वारा समय समय पर श्रधिसूचित की जाए, श्रायोजित की जाएगी।
- (2) जिन तारीखों को ग्रौर जिम स्थानों पर परीक्षा भायोजित की जानी हो, वे सरकार द्वारा नियत किए जाएंगे।
- 4. पात्रता की शत.—परीक्षा में बैठने का पाल होने के लिए अभ्यर्थी को निम्निलाखित शर्ते अवश्य पूरी करनी चाहिए, अर्थात् :—
  - (i) राष्ट्रिकता—
  - (क) वह भारत का नागरिक ग्रवस्य हो, या

- (ख) वह ऐसे व्यक्ति-प्रवर्गों का ही जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा इस निमित्त समय समय पर श्रधिसूचित किए जाएं।
- (ii) प्रायु.—उसने, जिस वर्ष परीक्षा हुई हो उस वर्ष की जनवरी के प्रथम दिन को 18 वर्ष की ग्रायु श्रवश्य पूरी कर ली हो श्रोर 24 वर्ष की ग्रायु पूरी न की हो :

परन्तु ग्रनुसूचित जातियों, ग्रनुसूचित जन-जातियों ग्रौर ऐसे ग्रन्य व्यक्ति-प्रवर्गों के ग्रभ्यर्थियों की दशा में, जो सरकार द्वारा समय समय पर ग्रिधसूचित किए जाएं, उच्चतम ग्रायु सीमा प्रत्येक प्रवर्ग की बाबत ग्रिधसूचित सीमा तक ग्रौर शर्तों के ग्रह्मधीन शिथिल की जा सकेगी।

(iii) शैकिक श्रार्ट्टताएं—उसने भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान-मंडल के श्रिधिनियम द्वारा निगमित विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा या ाध्यमिक विद्यालय पाठ्यक्रम के अन्त में स्कूल लोविंग, माध्यमिक स्कूल पाठ्यक्रम या हाई स्कूल प्रमाणपत्न प्रदान किए जाने के लिए आयोजित परीक्षा अवश्य पास की हो, या वह अन्यथा कोई श्रर्ह्ता रखता हो जो, सरकार द्वारा, परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजनों के लिए मान्यता प्राप्त हो :

परन्तु भ्रापवादिक स्थितियों में कोई श्रभ्यर्थी जिसके पास यद्यपि इस खण्ड में विनिर्दिष्ट कोई श्रहेंताएं न हो, आयोग द्वारा शैक्षिक रूप से श्रहित माना जा सकता है यदि उसके पास ऐसी श्रहेंता हो जिसका स्तर श्रायोग की राय में उसे परीक्षा में प्रवेश पाने को न्यायोचित ठहरता हो।

टिप्पण--वह अभ्यर्थी जो ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात हो जाए किन्तु जिसे परीक्षा के परिणाम की सूचमा नहीं दी गई हो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन दे सकता है। यह अभ्यर्थी भी जो ऐसी अहँक परीक्षा में बैठने का आशय रखता है आवेदन दे सकता है परन्तु यह तब जबिक अहँक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से पूर्व समाप्त हो गई हो। अगर अन्यया पात्र हैं तो ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा, किन्तु प्रवेश अनितम समझा जाएगा और यदि वे यथासम्भव शीझ, और किसी भी अवस्था में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने के दो मास पश्चात् तक, परीक्षा पास कर चुकने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करते तो रद्द किया जा सकेंगा।

(iv) परीक्षा में प्रयत्न--उम सूरत के सिवाय जिसमें अध्यर्थी इस निमित्त भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समय समय पर अधिमुचित अपवादों में से किसी के श्रन्तर्गत खाता हो, वह 1 जनवरी, 1962 के पश्चात, हुई प्रतियोगात्मक परीक्षा में एक से अधिक बार न बैठ चुका होता चाहिए ।

टिप्पण: ---यदि श्रभ्यर्थी एक या एक से श्रधिक सेवाओं या पदों के लिए प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठता है तो उसे सामान्यतया परीक्षा के श्रन्तर्गत श्राने वाली सभी सेवाओं या पदों के लिए प्रतियोगात्मक परीक्षा में एक बार बैठा हुआ समझा जाएगा।

टिप्पण--2-यदि अभ्यर्थी वस्तुनः किसी एक या एक से श्रधिक विषय की परीक्षा दे देता है तो उसे प्रतियोगात्मक परीक्षा में बैठा हुश्रा समक्षा जाएगा।

- (v) फीस ऐसी छूटों या रियायतों या दोनों के श्रष्ट्यश्रीन जो भारत सरकार के मृह मंत्रालय द्वारा इस निमित्त समय समय पर अधिसूचित की जाएं, श्रभ्यर्थी भायोग द्वारा विनिर्विष्ट फीस संदत्त करेगा।
- 5. ग्रान्य विश्व के िए सं ताचना—प्रश्वर्यी की ओर से किसी भी ढंग से श्रपनी अभ्यार्थिता के लिए समर्थन अभिप्राप्त करने का कोई भी प्रयत्न श्रायोग द्वारा ऐसा श्राचरण माना जा सकता है जो उसे परीक्षा में प्रवेश से निर्राहत कर दे।

- 6. पात्र गं के बारे में वितिण्वय-परीका में प्रवेश के लिए श्रभ्यर्थी की पात्रता या श्रन्यथा के बारे में श्रायोग का विनिश्चय श्रंतिम होगा श्रौर किसी भी श्रभ्यर्थी को जिसे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश का प्रमाण-पत्न जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में प्रवेश नहों किया जाएगा।
- 7. परिणाम (1) उन ग्रभ्यथियों के नाम, जो परीक्षा के परिणाम स्वरूप ग्र योग द्वारा नियुक्ति के लिए उपयुक्त समक्षे जाएं योग्यताकम में रखे जाएंगे ग्रौर विनियम 8 के उपवित्यम (5) के उपबन्धों के ग्रध्यधीन की जाने के लिए श्रपेक्षित नियुक्तियों की संख्या तक उसी कम में उन्हें नियुक्त किए जाने की सिफारिश की जाएगी।
- (2) प्रत्येक अध्यर्थी को परीक्षा के परिणाम की संसूचना के प्ररूप श्रीर रीति का विनिष्चय आयोग द्वारा ध्रपने जिनेक नुसार किया जाएगा श्रीर परिएएामों के संबंध में आयोग अलग-अलग अध्यर्थी से कोई पत्न-व्यवहार नहीं करेगा।
- 8. नियुक्तियां——(1) परीक्षा में सफलता से सेवा के ग्रेड ii में नियुक्ति का कोई श्रिधकार श्राप्त नहीं होगा, जब तक कि ऐसी जांच के पण्चात् जैसी श्रावश्यक समझी जाए सरकार का यह समाधान नहीं हो जात, कि श्रभ्यर्थी लोक सेवा में नियक्ति के लिए सर्वथा उपयक्त है।
- (2) कोई भी अभ्यार्थी तब तक सेवा के ग्रेड ii में नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह, ऐसी चिकित्सीय परीक्षा के पश्चात्, जैसी सरकार विहित करे, ऐसे मानसिक या शारीरिक दोध से जिससे सेवा के कर्षांध्यों के निर्वहन में बाधा पड़ने की संभावना हो, मुक्त न पाया जाए ।
- (3) वह व्यक्ति, जिसकी एक ने ग्रधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में बिवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शन्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है, ग्रांर वह स्त्री, जिसका विवाह इस कारण शन्य है कि उस विवाह के समय उसके पित की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उम विवाह के समय जीवित थी परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर किसी नियुक्ति के पाझ नहीं होंगे।

परन्तु केन्द्रीय संरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस उपनियम के प्रवर्तन से ठूट देने योग्य विशेष स्राधार हैं, श्रादेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए।

- (4) इस नियम के उपनियम (5) में यथा उपबन्धित के सिवाए, किसी परीक्षा के परिणामस्वरूप मेवा के II ग्रेड में नियुक्तियां द्यायोग द्वारा नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए अभ्यार्थियों के योग्यता-क्रम में उपलब्ध रिक्तियों की सीमा, तक, सरकार द्वारा ६स निमित्त समय समय पर जारी किए गए ग्रादेशों के श्रन्सार श्रनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जन-जातियों के श्रभ्य-धियों के लिए श्रारक्षण के श्रध्यवीन की जाएंगी।
- (ड) ग्रनुसूचित जातियों या ग्रनुसूचित जन-जातियों में से किसी के भी वे प्रभ्यर्थी जिन्हें प्रशासन की कुशलता बनाए रखने पर उचित ध्यान देते हुए, ग्रायोग द्वारा, परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनके स्थान पर ध्यान दिए बिना, उनके लिए ग्रारिभत रिक्तियों पर नियुक्ति किए जाने के पान होंगे।

किन्तु यदि सरकार द्वारा इस निर्मित्त मा य समय पर जारी किए गए ध्रादेशों के ध्रनुसार ध्रनुसूचित जानियों ग्रोर ध्रनुसूचित जन-जानियों के ग्रम्थाथियों के लिए ध्रारक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए पर्याप्त संख्या में ध्रभ्यार्थी उपलब्ध नहीं हैं तो न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित प्रकार से भरी जाएंगी।

- 9. प्रतिरुपण या ग्रन्य ग्रवचार के लिए दारि...—जो ग्रध्यथीं प्रतिरूपण या गढ़े हुए दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज जिन्हें बिगाडा गया है प्रस्तुत करने, या ऐसे दस्तावेज जिन्हें बिगाडा गया है प्रस्तुत करने, या ऐसे कथन जो गलत या झूठे हों करने, या तालिक सचना दबाने या श्रन्यया परीक्षा मे प्रवेश पाने के लिए कोई ग्रन्य श्रमियमित या श्रन्चित साधन काम में लेने या परीक्षा भवन में नावाजिब साधन प्रयुक्त करने या प्रयुक्त करने का प्रयत्न करने या परीक्षा-भवन में कदाचार करने का दीर्घा है या श्रायोग द्वारा घोषित कर दिया गया है, वह ग्रापराधिक श्रमियोजन के दायित्वाधीन होने के श्रातिरिक्त ——
- (क) (।) श्रभ्यिंथों के चयन के लिए श्रायोग द्वारा श्रायोजित किसी परीक्षा में प्रवेश पाने या किसी साक्षात्कार में उपस्थित होते से, श्रायोग द्वारा ; ग्रौर
- (।।) ग्रयने ग्रधीन नियोजन के लिए, सरकार द्वारा ; स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालार्वाध के लिए विसर्जित किया जा सकता है ।
- (ख) यदि वह पहले ही सरकार के श्रशीन सेवा म हो समृचित नियमों के श्रधीन वह श्रनुशासनात्मक कार्रवाई के दायित्वाधीन हो सकता है।

[फाइल सं० 94550/सीए द्यो (डीपीसी)] डी० के० भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव ।

#### New Delhi, the 20th August 1970

S.R.O. 377.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Jhansi from the wards noted against each:

1. Shri Ramesh Chander	Ward No. I
2. Shri Bhagwan Das Gupta	Ward No. II
3. Shri Brij Mohan Lal Arora	Ward No. III
4. Shri Duli Chand	Ward No. IV
5. Shri Ashfaquddin	Ward No. V
6. Shri Brij Mohan Misra	Ward No. VI

[File No. 29/61/C/L&C/66/2970-C/1/D(Q&C).]

# नई हिल्ली, 20, भ्रगस्त, 1970

का० नि० झा० 377.—छावनी श्रिधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की-उपधारा (7) का श्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एसदद्वारा श्रिधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, झांसी के निम्निलिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी वार्डों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं :--

1.	श्री रमेश चन्द्र	वार्डन० 1
2.	श्री भगरान दास गुप्ता	वार्डन०2
3.	श्री बुज मोहन लाल ग्ररोरा	वार्डन० 3
4.	श्री दुतीचन्द	वाह दं ५ ४
5.	श्री ग्रमका <b>क</b> द्दीन	बाई नंत 5
6.	श्री ब्रज मोहन मिश्रा	वार्ड ५० ६

[(फाइल 10 29/61/तीर पूजर एण्ड मीरु/66/2970— ग्रेरु/शीरु (क्युंट पूण्ड मीरु)]

S.R.O. 378.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Kasauli from the wards noted against each:

1. Shri Krishan Murti	Ward No. I
2. Shri Satnam Singh	Ward No. II
3. Shri Charan Dass	Ward No. III
4. Shri K. R. Bhalla	Ward No. IV

[File No. 29/38/C/L&C/66/2972-CI1/D(Q&C).]

कार्ज ि आ(० 378.—छ वनी अधिनियम, 1924 (1924 कां 2) वी धन्म 13 की उप-धारा (7) का अनुसरण करते हु। केन्द्रीय सरकार एतद्वारा छिध्यूचित वन्नी है कि छ वनी बोर्ड, कसोल। के निम्लिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी बोर्डी से सदस्य है इस में निर्वाचित हुए हैं:—

1. श्री कृष्ण मूर्ति	વાર્કનં∘ 1
2. श्री सतनाम सिहं	वार्ड गं० 2
3. श्री चरनदास	वाई नं० 3
4. श्री के० ग्रार० भल्ला,	वार्डनं० 4

[(फाइल नं० 29/38/जी०/एल० एण्ड सी०/66/2972-सी/2/डी० (क्य० एण्ड सी०)]

S.R.O. 379.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Deolai from the wards noted against each:

1.	Shri	Kale Rambhau Dhulaji	Ward No. I
2.	Shri	Chawla Parasram Moolchand	Ward No. II
3.	Shri	Ozarkar Prabhakar Shankarrao	Ward No. III
4.	Shri	Adke Ramkrishna Mukundrao	Ward No. IV
5.	Shri	Pawar Tulsiram Dadaji	Ward No. V
6.	Shri	Thaper Harikrishna Sawantmal	,, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
	(	alias) Gandamal Seth	Ward No. VI
7.	Shri`	Thakre Bhikaji Ganpatrao	Ward No. VII

[File No. 29/32/C/L&C/66/2969-C/1/D(Q&C).]

का० नि० स्रा० 379.—छात्रनी ग्रिधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का ग्रनुसरण करते हुए केन्ग्रीय सरकार ए दिद्वारा ग्रिधिसूचित करती है कि छात्रनी वोर्ड देवलाली की निम्तलिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी बार्डों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं :---

1.	श्री कालेलाम भाऊ, धला जी	वाड नं० 1
2.	श्री चावला प्रसानम मूलचन्द	वार्डनं० 2
3.	श्री स्रोजार कर प्रभाकर शंकर राव	वार्डन० 3
4.	श्री ग्रादमें रामकृष्ण मुकन्दराव	वार्ड नं० 4
5.	श्री पंवार तुलसी राम दादाजी	वार्डनं० 5
6.	श्री थापर हरिइ:ब्ण सावन्त मल उर्फ गन्दा मल सेट	वार्डनं० 6
7.	श्री थाकर भीका जी गनपत राव	वार्डनं० 7

्री (फाइन्स्नं ० 29/32/सी०/एल० एण्ड सी०/66/2969  $- \hat{\pi}_{i}^{2}/2/\hat{\epsilon}_{i}^{2}$ ० (क्यु० एण्ड सी०)]

S.R.O. 380.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Kamptee by reason of absence for more than three consecutive months from the meeting of the Board by Kumari J. Dilema.

[File No. 19/8/C/L&C/65/2741-C/1/D(Q&C).]

कां नि आ 380.—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का प्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा प्रधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड काम्यती की सदस्यता में कुमारी जे जिलेमा के लगातार तीन मास तक बोर्ड की मीटिंग में प्रनु-पस्थिति के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/8/नी०/एल० एण्ड सी०/65/2741-ती० डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 381.—In pursuance of sub-rule (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri G. R. Bedge, Sub Divisional Magistrate Ist Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Kamptee by the District Magistrate, Nagpur in exercise of the powers conferred under section 13(4)(b) of the Act vice Kumari J. Dilementation of the powers.

[File No. 19/8/C/L&C/65/2741-C/2/D(Q&C).]

का० नि० मा० 381.—छावनी म्रधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का मनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा म्रधिसूचित करती है कि श्री जी० म्रार० बज को, कुमारी जे० जिलेमा के स्थान पर छावनी बोर्ड काम्पती के एक सदस्य के रूप में नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल० सं० 19/8/सी०/एल० एण्ड सी०/65/2741-सी2/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

New Delhi, the 26th August 1970

S.R.O. 382.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Jammu by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Captain S. S. Chawla, a nominated member.

[File No. 19/58/C/L&C/66/3023-C/1/D(Q&C).]

मई दिल्ली, 26 ग्रगस्त, 197०

का० नि० भा० 382.—छावनी श्रिधिययम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का श्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्दारा श्रिधसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जम्मू की सदस्यता में केप्टन एस० एस० चावला के स्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं 0 19/58/सी 0/एल 0 एण्ड सी 0 66/3023-सी-3 डी ० (क्यू एण्ड सी 0)]

S.R.O. 383.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Captain Som Karan has been nominated as a member of the Cantonment Board Jammu vice Captain S. S. Chawla who has resigned.

[File No. 19/58/C/L&C/66/3023-C/2/D(Q&C).]

का० नि० घा० 383.—छावनी श्रीधियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा श्रीधसूचित करनी है कि केप्टन सोम करण को, केप्टन एस० एस० चावला के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड जम्मू के एक सबस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/58/सी०/एल० एण्ड सी०/68/3023/सी० 4/डी० (स्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 384.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Kanpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri R. S. Agarwal Magistrate 1st Class.

[File No. 19/24/C/L&C/65/3027-C/1/D(Q&C).]

मा० मि० मा० 384.—-छाउनी म्रधियियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का यनुभरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा ग्रधिसूचिन करती है कि छावनी बोर्ड, कानपुर की सदस्यता मे श्री आर० एस० ग्रथवाल के त्यागयद्व के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइन मं० 19/24/भी०/एल० एण्ड मी०/65/3027-सी०/3/डी० (क्यू० एण्ड मी०)]

8.R.O. 385.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri A. P. Verma Magistrate 1st Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Kanpur by the District Magistrate, Kanpur in exercise of the powers conferred under Section 13(3)(b) of that Act vice Shri R. S. Agarwal Magistrate 1st Class resigned.

[File No. 19/24/C/L&C/65/3027-C/2/D(Q&C).]

का नि आ 385.—छावनी प्रधियियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का प्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री ए० पी० वर्मा कों, श्री ग्रार० एन० श्रप्रवाल के, जिन्होंने त्यागपद दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड कानपुर के एक सदस्य के रूप में नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल ० सं० 19/24/सी०/एल ० एण्ड सी०/65/3027-भी०/4/डी०(क्य ० एण्ड सी०)]

S.R.O. 386.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Faizabad by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri Janardan Prasad Tewari Magistrate Ist Class.

[File No. 19/25/C/L&C/65/3019-C/1/D(Q&C).]

काः नि० आ० 386.—छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, फैजाबाद की सदस्यता में श्री जनारदन प्रसाद तिवारी के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/25/भी०/एल० एण्ड मी०/65/3019-भी०-3 डी० (क्यू० एण्ड मी०)]

S.R.O. 387.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Devi Dayal Magistrate Ist Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Faizabad by the District Magistrate, Faizabad in exercise of the powers conferred under Section 13(4)(b) of that Act vice Shri Janardhan Prasad Tewari Magistrate Ist Class resigned.

[File No. 19/25/C/L&C/65/3019-C/2/D(Q&C).]

का० नि० आ० 387—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उत्व-धारा (7) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि श्री देवी दयाल की, श्री जनारदन प्रसाद तियारी के, जिन्होंने त्यागपद दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड फैजाबाद के एक सदस्य के रूप में नामनिद्विष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/25/मी०/ ग़ल० एण्ड सी ०/65/3019-मी/4/डी० (क्यू० एण्ड सी०)

S.R.O. 388.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Ramgarh by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Captain J. D. Sharma, a nominated member.

[File No. 19/34/C/L&C/65/3020-C-1/D(Q&C).]

कां० ति० न्नारं० 388.—छात्रनी शिधिनियस, 1924 (1924 र 1 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) वा न्नान्तरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्युद्धारा ग्रिधिन् चित करता है कि छात्रनी बोर्ड, रामगढ़ की सदस्यता में केप्टिन जे० डी० गर्मा के त्यागपद के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल मं० 19/34/मी०/एल० एण्ड भी०/65/3020/मी-3/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 389.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major T. B. Mali has been nominated as a member of the Cantonment Boord Ramgarh vice Captain J. D. Sharma, who has resigned.

[File No. 19/34/C/L&C/65/3020-C-2/D(Q&C).]

पाँच निव्द आव 389.—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रमुमरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा प्रधिमूचिन करनी है कि मेजर टीव बीव माली को, केन्टिन जेव डीव शर्मा के, जिन्होंने त्यागपत्न दे दिया है, स्थान पर छ बनी बोर्ड रामगढ़ के एक सदस्य के रूप में नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल मं $\circ$   $19/34/सी<math>\circ$ /एल $\circ$  एण्ड सी $\circ/65/3020-4/$ ष्ठी $\circ$  (क्यू  $\circ$  एण्ड सी $\circ$ )]

S.R.O. 390.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Mhow by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major R. S. Randev, nominated member.

[File No. 19/41/C/L&C/66/3024-C/1/D(Q&C).]

का० नि० आ० 390.—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का प्रनुपरण करने हुए के द्वीय सरकार एतद्द्वारा प्रधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, महू की सदस्यता में मेजर प्रारं० एप० रनदेव के स्त्यागपत के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल० सं० 19/41/मी०/एल० एण्ड सी०/66/3024-मी/3/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 391.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major D. N. Kapur has been nominated as a member of the Cantonment oBard Mhow vice Major R. S. Randev who has resigned.

[File No. 19/41/C/L&C/66/3024-C/2/D(Q&C).]

कार्विव्यार 391.—छावनी प्रधिनियस, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का प्रनुपरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्राण अधिमूचित भरती है कि मेजर डी॰ एन॰ कपूर को मेजर प्रार०एस॰ रनदेव के जिल्होंने त्यागपन्न दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, महू के एक सदस्य के रूप में नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/41/4ी०/एल० एण्ड सी० /66/3024-सी०/4/डी० क्यू ०एण्ड सी०)]

S.R.O. 392.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Kirkee by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major S. C. Duggal, a nominated member.

[File No. 19/21/C/L&C/65/3022-C/1/D(Q&C).1

भार कि आरं 392.—छावनी आधिनियम, 1924(1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) भा अनुभरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, किरकी की सदस्य में मेजर एस० सो० दुग्गल के त्यागपद के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/21/410/एल० एण्ड सी०/65/3022-41/3/डी (क्यू  $\cdot$ एंड सी०)]

S.R.O. 393.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. A. V. Gore has been nominated as a member of the Cantonment Board Kirkee vice Major S. C. Duggal who has resigned.

[File No. 19/21/C/L&C/65/3022-C/2/D(Q&C).]

का नि आ 393 — छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण काते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् इवारा अधिसूचित करती है कि लें० कर्नल ए० बी० गोर को, मेजर एस० सी० दुग्गल के जिन्होंने त्यागपत दे दिया हैं, स्थान पर छावनी बोर्ड किरको के एक सदस्य के रूप मैं नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/21 सो०/३ल० एण्ड सी० 65/3022/सी/3 डी० (क्यू एण्ड सी०)]

S.R.O. 394.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Amritsar by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri V. P. Dubey Magistrate Ist Class.

[File No. 19/55/C/L&C/67/3021-C/1/D(Q&C).]

का० नि० गा० 394.—छावनी ग्रिधनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप-धारा (7) का ग्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा ग्रिधसूचित करती है कि श्री विक्रम सिहं को, श्री डी० पी० दूबे के, जिन्होंने त्यागपत दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड ग्रमृतसर के एक सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/55/सी०/एल० एण्ड सी०/67/3021-सी/3/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 395.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Bikram Singh Magistrate Ist Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Amritsar by the District Magistrate, Amritsar in exercise of the powers conferred under Section 13(3)(b) of that Act vice Shri V. P. Dubey Magistrate 1st Class resigned.

[File No. 19/55/C/L & C/67/3021-C/2/D(Q & C).] S. P. MADAN, Under Secy.

का० नि० मा० 395.—छावनी म्राधिनियम, 1924(1924 का 2)की धारा 13 की उप-धारा (7) का म्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा म्राधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, ग्रमृतसर की सदस्यता में श्री डी० पी० द्वे के त्यागपत्न के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/55/सी०/एल० एण्ड सी०/67/3021-सी०/4/डी०(क्यू एण्ड सी०) ]

एस० पी० मदान, अवर सचिव